प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

01. सर्वोच्च न्यायालय में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया, एसआईआर पर सुनवाई जारी। कहा– आधार को नागरिकता के प्रमाण के तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

02. निर्वाचन आयोग ने कहा–एसआईआर पर आम लोगों से लगभग चौदह हजार दावे और आपत्तियां प्राप्त हुईं, लेकिन राजनीतिक दलों से अब तक कोई आपत्ति या दावा प्राप्त नहीं हुआ।

03. एसआईआर वापस लेने की मांग को लेकर राजद और कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के हंगामे के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही आज भी बाधित हुई।

04. और, पटना, भागलपुर, मुंगेर तथा बेगूसराय समेत राज्य के दस जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हुई। उन्नीस लाख से अधिक की आबादी प्रभावित।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया, एसआईआर में आधार को नागरिकता के प्रमाण के तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार में जारी एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुये यह टिप्पणी की। और ब्यौरे के साथ हैं हमारी संवाददाता–

–––बाइट–––

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आधार कानून की धारा नौ के तहत आधार कार्ड को मात्र पहचान पत्र के रूप में स्वीकार किया जा सकता है। यह नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं है। न्यायालय ने कहा कि नागरिकों और गैर नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना और बाहर करना आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। एसआईआर की पूरी प्रक्रिया का एक मात्र उद्देश्य मृतकों का नाम वोटर लिस्ट से हटाना है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से यह भी कहा कि उन्हें चुनाव आयोग की इस बात से सहमत होना चाहिए कि अभी मतदाता प्रारूप सूची का ही प्रकाशन हुआ है। इस पर दावा आपत्ति कर सुधार के लिए आयोग ने एक महीने का समय दिया है। पीठ ने कहा कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया की जांच के बाद ही इसकी वैधता पर विचार होगा। मामले की सुनवाई कल भी जारी रहेगी। समाचार कक्ष से कल्पना झा।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर विवाद के बीच, निर्वाचन आयोग ने कहा है कि दावे और आपत्तियों की अवधि के बारह दिन बीत जाने के बाद भी इस संबंध में किसी भी राजनीतिक दल ने एक भी दावा या आपत्ति प्रस्तुत नहीं की। हालाँकि, आयोग ने कहा कि प्रारूप सूची के संबंध में मतदाताओं से लगभग चौदह हजार दावे और आपत्ति दर्ज करायी गयी है। इसमें तीन सौ इकतालीस का निष्पादन कर दिया गया है।

राजद के वरिष्ठ नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा है कि एसआईआर का कोई भी विपक्षी पार्टी विरोध नहीं कर रही है। विरोध इस अभियान की प्रक्रिया और समय को लेकर है। आज पटना में संवाददाताओं से बातचीत में श्री यादव ने निर्वाचन आयोग पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की भी अवहेलना का आरोप लगाया।

———बाइट———

इस बीच, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि एसआईआर के विरोध का कोई कारण नहीं है। उन्होंने कांग्रेस और राजद समेत अन्य विपक्षी दलों पर इस मुद्दे को लेकर राजनीति करने और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का आरोप लगाया।

———बाइट———

बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण मुद्दे पर राजद और कांग्रेस समेत अन्य विरोधी दलों के हंगामें के कारण आज भी लोकसभा की कार्यवाही कई बार बाधित हुई।

———बाइट———

इधर, राज्यसभा में भी एसआईआर के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही बाधित हुई।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है। श्री बिरला ने कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के लिए सत्तारूढ़ और विपक्ष के एक सौ छियालीस सांसदों से मिले हस्ताक्षरित नोटिसों को स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच समिति की रिपोर्ट आने तक इस सम्बंध में प्रस्ताव विचाराधीन रहेगा।

———बाइट———

मैंने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को पद से हटाने के अनुरोध के आधारों की जांच करने के उद्देश्य से तीन सदस्यों वाली एक समिति गठित की है। माननीय न्यायमूर्ति श्री अरविन्द कुमार न्यायाधीश उच्चतम न्यायालय, श्री मनिन्दर मोहन श्रीवास्तव मुख्य न्यायाधीश मद्रास उच्च न्यायालय, श्री वी वी आचार्य वरिष्ठ अधिवक्ता, कर्नाटक उच्च न्यायालय। समिति यथाशीघ्र अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। जांच समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने तक यह प्रस्ताव लंबित रहेगा।

इस वर्ष मार्च में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के नई दिल्ली स्थित निवास से बड़ी मात्रा में जली हुई नकदी बरामद की गई थी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के साथ संवाद किया। वर्चुअल मोड में आयोजित इस संवाद कार्यक्रम में पंद्रह लाख से अधिक उपभोक्ता शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सौ पच्चीस यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्र के घरेलू उपभोक्ताओं को मिलना शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं को चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। संवाद में भाग लेते हुए ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने कहा कि एक सौ पच्चीस यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ राज्य के एक करोड़ नवासी लाख से अधिक उपभोक्ताओं को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है।

प्रदेश में मॉनसून की सक्रियता से बारिश का सिलसिला जारी है। नालंदा जिले के सलमेरा में सबसे अधिक अंठानवे दशमलव दो मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने कल पश्चिमी चम्पारण, सीवान, और गोपालगंज जिले में कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं, पूर्वी चम्पारण, सारण, समस्तीपुर, खगड़िया, किशनगंज और मुंगेर जिले में कुछ स्थानों पर भारी बारिश का पूर्वानुमान है।

प्रदेश में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। दस जिलों की लगभग उन्नीस लाख की आबादी बाढ़ की चपेट में है। हमारे संवाददाता ने बताया कि पटना में गंगा नदी के उफान पर रहने के चलते नये इलाकों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर रहा है।

———बाइट———

पटना जिले के छह प्रखंडों के अट्ठहत्तर गांव बाढ़ की चपेट में हैं। बिंद टोली से लेकर दानापुर के दियारा इलाके तक टापू जैसी स्थिति बन गई है। सैकड़ों घर जलमग्न हो गए है। खेतों में चार से पांच फीट तक पानी का जमाव हो गया है। लोग जे.पी. गंगा पथ समेत अन्य ऊंचे स्थानों पर अपना आशियाना बनाकर रहने को मजबूर हैं। इधर, अथमलगोला, बाढ़, दनियावां और मोकामा प्रखंडों में भी बाढ़ का पानी लगातार नये इलाकों में फैलता जा रहा है। राहत और बचाव कार्य में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की एक—एक टीम लगी हुई है। जिला प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बारह सामुदायिक रसोईघर संचालित किए जा रहे है। वहीं, लोगों की सुविधा के लिए एक सौ तीन नाव का परिचालन किया जा रहा है। धर्मेन्द्र कुमार राय, आकाशवाणी समाचार, पटना।

भोजपुर के तीन प्रखंडो के एक सौ अड़सठ गांव और वैशाली जिले के पांच प्रखंडों के छिहत्तर गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। सारण जिले के अठारह पंचायतों में बाढ़ का पानी फैल चुका है। वहीं, लखीसराय जिले की चार पंचायतों के ग्यारह गांव की लगभग बीस हजार की आबादी बाढ़ की चपेट में आ चुकी है।

भागलपुर में गंगा नदी के जलस्तर में कमी आने के बावजूद बाढ़ की स्थिति में कोई सुधार नहीं है। हमारे संवाददाता ने बताया कि जिले के ग्यारह प्रखंडों के तीन सौ तैंतालीस गांवों की लगभग पांच लाख की आबादी बाढ़ से प्रभावित है।

———बाइट———

जिले के गोपालपुर प्रखंड में इस्माइलपुर—बिंद टोली तटबंध में स्पर आठ और नौ के बीच दरार आ गई है। दरार आने से तटबंध टूटने का खतरा बढ़ गया है। आसपास के लोग ऊंचे स्थानों की ओर पलायन करने लगे हैं। कई घर गंगा नदी के गर्भ में समा चुके हैं। जल संसाधन विभाग के अभियंता और कर्मी मौके पर सुरक्षात्मक कार्य चला रहे हैं। एन.एच अस्सी पर पानी का अब भी तेज बहाव हो रहा है। इसके चलते इस मार्ग पर आवागमन

बाधित हुआ है। भागलपुर के शहरी क्षेत्र के निचले इलाकों में भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर जाने से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। आकाशवाणी समाचार के लिए भागलपुर से विनोद कुमार।

मुंगेर से हमारे संवाददाता ने बताया कि जिले में गंगा नदी अपने रौद्र रूप में है।

———बाइट———

मुंगेर मे बाढ़ का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। पांच प्रखंडों की लगभग तीन लाख की आबादी बाढ़ी की चपेट में आ चुकी है। सत्तर हजार से अधिक घर जलमग्न हो चुके है। नौवागढ़ी से चरौंद जाने वाली सड़क पर चार फीट तक पानी का बहाव हो रहा है। प्रभावित इलाको से लोग ऊंचे स्थानों की ओर पलायन कर चुके हैं। किसानों और पशुपालकों के समक्ष पशु चारे की समस्या उत्पन्न हो गई है। इधर, जिला प्रशासन की ओर से युद्ध स्तर पर राहत और बचाव अभियान जारी है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में बत्तीस सामुदायिक रसोईघर संचालित किए जा रहे हैं। बाईस मेडिकल टीमों की भी बाढ़ प्रभावित इलाकों में तैनाती की गई है। आकाशवाणी समाचार के लिए मुंगेर से प्रशांत कुमार सिंह।

हमारे बेगूसराय संवाददाता ने बताया कि जिले को आठ प्रखंडों में बाढ़ के कारण जीवन ठहर सा गया है। प्रभावित इलाकों में स्कूल—कॉलेज बंद है। सड़कों पर आवागमन बाधित है। लोग खुले में जीवन बीताने को मजबूर है। खगड़िया जिले में भी गंगा, गंडक और कोसी नदी के जलस्तर में हो रहे बढ़ोतरी के चलते बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। कटिहार में गंगा, कोसी और बरंडी नदी के उफान पर रहने के चलते बाढ़ की स्थिति में कोई सुधार नही है। सुपौल जिले में भी बाढ़ का दायरा लगातार बढ़ रहा है।

राज्य सरकार ने शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए प्रत्येक जिले में जिला स्थापना समिति के गठन की घोषणा की है। समिति के अध्यक्ष संबंधित जिलों के जिला पदाधिकारी होंगे। जिला शिक्षा पदाधिकारी को समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है। समिति में छह अन्य सदस्य होंगे।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में राज्य में हर घर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। आज पटना के सगुना मोड़ से भव्य तिरंगा यात्रा की शुरुआत हुई। यह यात्रा मनेर होते हुए विक्रम तक कुल 45 किलोमीटर का रास्ता तय करेगी। भागलपुर और अररिया में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। अन्य जिलों में भी तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

नवादा जिले के हिसुआ थाना के मँझवे पहाड़ी के पास पुलिस और एक अपराधी के बीच मुठभेड़ हो गई। इस घटना में अपराधी निखिल कुमार को पैर में गोली लगी है। मुठभेड़ की वारदात में पुलिसकर्मियों के भी घायल होने की सूचना है।

---

01. सर्वोच्च न्यायालय में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया, एसआईआर पर सुनवाई जारी। कहा– आधार को नागरिकता के प्रमाण के तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

02. निर्वाचन आयोग ने कहा–एसआईआर पर आम लोगों से लगभग चौदह हजार दावे और आपत्तियां प्राप्त हुईं, लेकिन राजनीतिक दलों से अब तक कोई आपत्ति या दावा प्राप्त नहीं हुआ।

03. एसआईआर वापस लेने की मांग को लेकर राजद और कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के हंगामे के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही आज भी बाधित हुई।

04. और, पटना, भागलपुर, मुंगेर तथा बेगूसराय समेत राज्य के दस जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हुई। उन्नीस लाख से अधिक की आबादी प्रभावित।

समाप्त